कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिशद
खंड 6 अंक 8 अगस्त 2020 www.एम.जी.एन.सी.आर.ई..org

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: व्यावसायीकरण और इंटर्नशिप को बढ़ावा मिलता है!

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - एम.जी.एन.सी.आर.ई. कनेक्ट!

- अगले दशक में चरणबद्ध तरीके से सभी शिक्षण संस्थानों में वोकेशनल **एड्युकेशन** को एकीकृत किया जाएगा ।
- फोकस क्षेत्रों को कौशल अंतर विश्लेषण और स्थानीय अवसरों के मानचित्रण के आधार पर चुना जाएगा, और तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा समग्र शिक्षा के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा बन जाएगी ।
- 50% स्कूली बच्चे 2035 तक वोकेशनल एड्यूकेशन में जुट जाएंगे
- उद्योग की भागीदारी के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक राष्ट्रीय समिति का गठन
- उच्चतर शिक्षा संस्थानों में व्यावसायिक + अप्रेंटिसशिप + इनक्यूबेशन केंद्र
- नागरिकों के रूप में काम के साथ जुड़ाव
- **सामुदायिक कार्य** के लिए एच.ई.आई.
- बहु - विषयक और क्रेडिट सामुदायिक व्तस्तता के आधार पर पाठ्यक्रम
- मूल्य आधारित शिक्षा और सेवा
- उच्चतर शिक्षा में इंटर्नशिप
- **शिक्षा और अनुभवात्मक रूप में**
- भाषा शिक्षा अनुभवात्मक है
- अनुभवात्मक शिक्षा के रूप में कला
- ग्रेड 6-8 अनिवार्य अनुभवात्मक शिक्षा
- स्थानीय प्रख्यात व्यक्ति और विशेषज्ञ विशेष प्रशिक्षकों के रूप में बढ़ावा देने के लिए स्थानीय ज्ञान

10+2 = 5+3+3+4!

भारत ने बदल दी 34 साल पुरानी शिक्षा नीति!

केंद्रीय मंत्रिमंडल की अध्यक्षता में **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 1986 में 34 साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 को मंजूरी दी। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर, सचिव उच्च शिक्षा श्री अमित खरे और सचिव स्कूल एड्युकेशन एम.एस. अनीता करवाल** एन.ई.पी. 2020 की प्रमुख विशेषताओं पर बात की।

एन.ई.पी. 2020 का उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 26.3% (2018) से बढ़ाकर 2035 तक 50% करना है। एक मुक्केबाज़ी 3.5 करोड़ नई सीटें उच्चतर शिक्षा संस्थानों में जोड़ा जाएगा। पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के मूलभूत स्तंभों पर निर्मित, यह नीति सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के अनुरूप है और इसका उद्देश्य भारत को एक जीवंत ज्ञान समाज और वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में बदलना है और स्कूल और कॉलेज शिक्षा दोनों को अधिक समग्र, लचीला, बहुविषयक, 21 वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल बनाने के लिए और प्रत्येक छात्र की अनूठी क्षमताओं को बाहर लाने के उद्देश्य से हैं।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश मे स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधार लाएगी, जो देश में अपनी तरह की सबसे बड़ी परामर्श और चर्चा प्रक्रिया का परिणाम है" - केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'

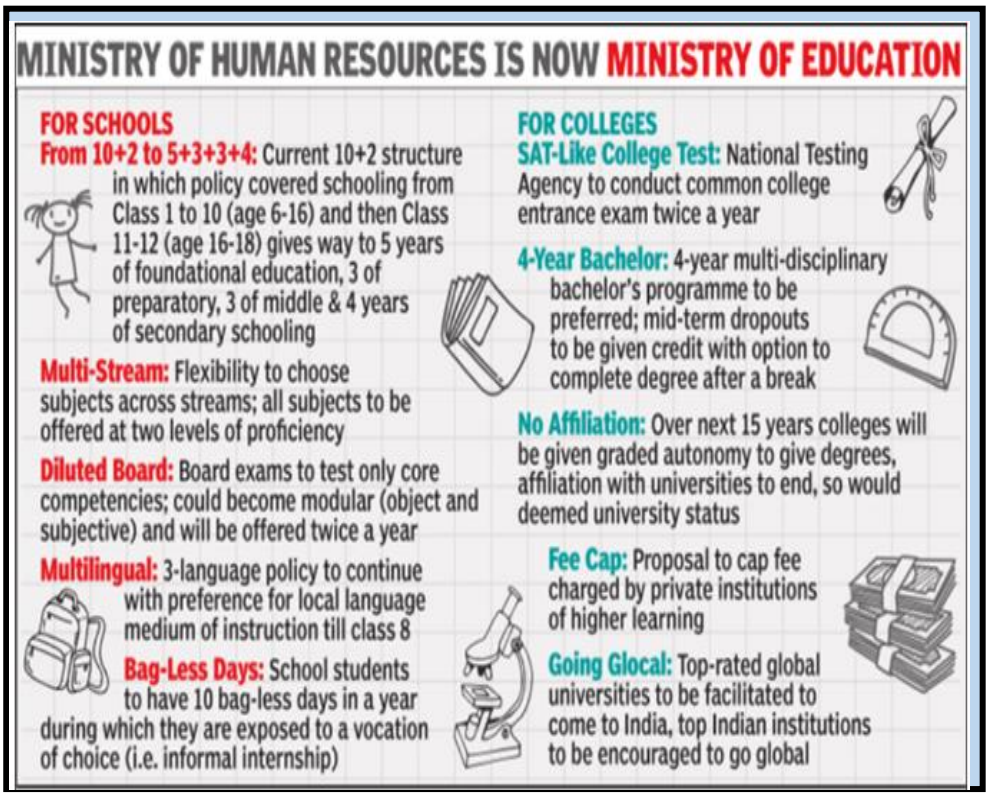

इससे पहले, श्री रमेश पोखरियाल ने इंडिया-रिपोर्ट-डिजिटल एड्युकेशन की शुरुआत की जिसमें घर में बच्चों को सुलभ और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने और सीखने की कमियों को कम करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राज्यों के शिक्षा विभागों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपनाए गए अभिनव तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया है। गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा ने वैश्वीकरण के वर्तमान संदर्भ में एक नई तात्कालिकता हासिल की हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने दीक्षा मंच जैसे सीखने की खोज में शिक्षकों, विद्वानों और छात्रों की सहायता के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं, स्वयं प्रभा टी.वी. चैनल, ऑनलाइन एम.ओ.ओ.सी. कोर्स, ऑन एयर-शिक्षा वाणी, एन.आई.ओ.एस. द्वारा दिव्यांग, ई-पाठशाला, ओपन एड्युकेशनल रिसोर्सेज (एन.आर.ओ.ई.आर.) के राष्ट्रीय भंडार, टी.वी. चैनलों के माध्यम से प्रसारित ई-कंटेंट और सक्रिय पुस्तकों को विकसित करने के लिए राज्य/यू.टी. सरकारों के साथ, ई-लर्निंग पोर्टल, वेबिनार, चैट ग्रुप, पुस्तकों का वितरण और अन्य डिजिटल पहल की शुरुआत।

संपादक की टिपण्णी

अनुभवात्मक शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव एम.जी.एन.सी.आर.ई. का पर्याय बन जाते हैं! यह मान लिया गया है और भी जब हमने नई शिक्षा नीति 2020 पढ़ी है, मुझे खुशी हुई कि नई तालीम के बारे में चेतना के निर्माण में हमारे प्रयास-गांधीजी की अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा के लिए आवश्यकता, शिक्षा प्रदान करते समय स्थानीय भाषा का महत्व, कौशल की आवश्यकता-आधारित शिक्षा - अंत में एन.ई.पी. 2020 के रूप में दिन की रोशनी देखी है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अनुभवात्मक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया था और कई संकाय/पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम, संकाय प्रशिक्षक विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया था और नई तालीम और सामुदायिक जुड़ाव की भावना को प्रज्वलित किया था। हमने देश भर के स्कूलों और एच.ई.आई. को प्रभावित किया है और इससे हमें संतोषजनक भावना आती है कि व्यावसायिक और कौशल आधारित शिक्षा अंत में दैनिक क्रम बनने जा रहा है। मुझे खुशी है कि इन पंक्तियों पर हमारे संगठन के प्रयासों का फल मिला है। हम नीति में परिवर्तन को उत्पादक रूप से लागू होते देखने के लिए तत्पर हैं।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

ग्रामीण प्रबंधन में केस चर्चा पद्धति पर हमारे संकाय विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक लेन - देन किया गया और हमने बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन की शुरुआत के लिए एच.ई.आई. में 11 कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। हमने **119** स्वच्छता कार्य योजना कार्यशालाओं **में** 3775 प्रतिभागियों के साथ और **29** नई तालिम कार्यशालाएं **1007** प्रतिभागियों के साथ आयोजन किया। कुलपतियों को हमारी कार्यशालाओं में भाग लेकर प्राचार्यों/संकाय/एन.एस.एस. अधिकारियों-समन्वयकों को प्रेरित करके परिसर में स्वच्छता बढ़ाने में नेतृत्व करते हुए देखकर खुशी हुई और कार्यक्रमों को बहुत आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान किया जा सके। हमें अपने संस्थानों में एच.ई.आई. को स्वच्छ समिति बनाने में सफल रहे हैं और परिणाम देखने के लिए कमर कस चुके हैं।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारी टीम गांधी किंग फाउंडेशन (जी.के.एफ.) द्वारा आयोजित साप्ताहिक ज्ञान साझा चर्चाओं में भाग ले रही है जिसमें दुनिया भर के प्रख्यात शिक्षाविद शामिल हैं। ***गांधी एक तत्वज्ञान नहीं है, गांधी जीवन का एक तरीका है!***

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक कार्य, पाठ्यक्रम और उच्चतर शिक्षा हस्तक्षेप की तर्ज पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. का अभूतपूर्व काम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की निम्नलिखित विशेषताओं पर प्रतिध्वनि पाते हैं

- ✓ अगले दशक में चरणबद्ध तरीके से सभी शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण।
- ✓ अधिक इंटरैक्टिव और अनुभवात्मक शिक्षण और सीखना
- ✓ अनुभवात्मक शिक्षा के लिए प्रोत्साहन - सभी भाषा सीखने का उद्देश्य संगीत, कविता और रंगमंच जैसे कला के माध्यम से अनुभवात्मक और बढ़ाया जाना होगा।
- ✓ स्थानीय ज्ञान और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना
- ✓ 'पाठ्यक्रम', 'पाठ्येतर', या 'सह-पाठ्यक्रम', 'कला', 'मानविकी', और 'विज्ञान', 'व्यावसायिक' या 'अकादमिक' धाराओं के बीच क्षेत्रों के बीच कोई कठिन अलगाव नहीं है। भौतिक शिक्षा, गणित और व्यावसायिक कला जैसे विषयों को स्कूल के पाठ्यक्रम में गंभीरता से शामिल किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक उम्र में दिलचस्प और सुरक्षित के लिए विचार किया जाएगा।
- ✓ उच्चतर शिक्षण संस्थानों - में सरकारी और निजी स्कूलों और स्कूल परिसरों का एक नेटवर्क होगा, जहां निकटवर्ती छात्रों के साथ काम किया जा सकेगा, जहां संभावित शिक्षक छात्र को पढ़ाएंगे (एच.ई.आई. और स्कूल परिसरों के बीच अन्य सहक्रियात्मक गतिविधियाँ, जैसे सामुदायिक सेवा, वयस्क और व्यावसायिक शिक्षा, आदि होगा)।
- ✓ लचीले और अभिनव पाठ्यक्रम पर जोर जो सामुदायिक जुड़ाव और सेवा, पर्यावरणीय शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम और परियोजनाएं प्रदान करता है।
- ✓ पेशेवर और व्यावसायिक शिक्षा सहित - एक उच्च शिक्षा प्रणाली में समग्र उच्च शिक्षा क्षेत्र का एकीकरण।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम.जी.एन.सी.आर.ई. कनेक्ट! विशेष फोकस

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर लगभग 2.25 लाख सुझाव और पत्र प्राप्त हुए। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने भी इस पहल में भाग लिया है और एक कार्यशाला का आयोजन करके एन.ई.पी. के फीडबैक और मूल्यांकन में योगदान दिया है और देश भर के अपने संकाय विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में शिक्षाविदों से इनपुट भी ले रहा है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. का दृष्टिकोण ग्रामीण भारत के निर्माण की प्रक्रिया में भारत में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम को शामिल करना है। हमारा मिशन पाठ्यचर्या संबंधी आदानों और मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों और उच्च शिक्षण संस्थानों को तैयार करना और पहचानना है, जो टिकाऊ, जलवायु और आपदा ग्रामीण आजीविका के विकास को सक्षम बनाते हैं।

हमने पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रमों, संकाय विकास कार्यक्रमों और नई तालीम और सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रमों जैसे अकादमिक और क्षेत्र हस्तक्षेपों के माध्यम से योगदान दिया है। हमारी स्वच्छता कार्य योजना परियोजना एक अद्भूत सफलता थी। हमने व्यापक स्वच्छता प्रबंधन, संबंधित एफडीपी और कार्यशालाओं में उद्योग-अकादमी मीट और प्रदर्शनियों, 100 एच.ई.आई. और 200 गाँव के मामलों के अध्ययन का आयोजन किया।

गांधीजी की एक्सपेरिमेंटल लर्निंग: गांधीजी की

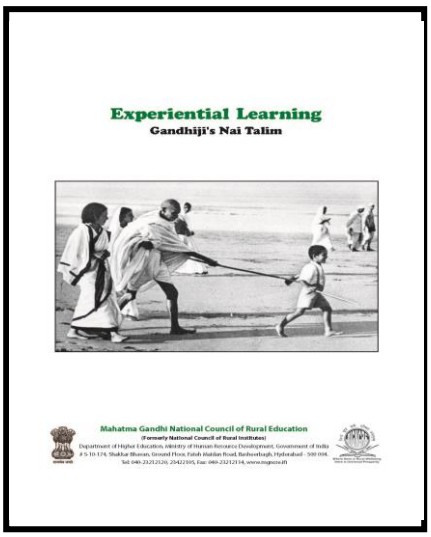

नई तालीम ', राष्ट्रीय परामर्श कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के माध्यम से एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित एक पाठ्यक्रम मॉड्यूल, राष्ट्रीय परामर्श कार्यशालाओं और सेमिनारों के माध्यम से 2018 में शिक्षक दिवस के अवसर पर 13 भाषाओं में राष्ट्रव्यापी लॉन्च किया गया था। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण समुदाय जुड़ाव और नई तालिम-अनुभवात्मक शिक्षा सहित ग्रामीण लचीलापन बनाने में महत्वपूर्ण कार्य किया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने स्कूलों का दौरा किया और बी.एड. हमारी आउटरीच के हिस्से के रूप में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कॉलेज और अनुभवात्मक शिक्षा से जुड़ गए। गांधीजी की 150 वीं जयंती समारोह के संदर्भ में स्कूलों में कार्य आधारित शिक्षा का अभियान आयोजित करने का हमारा आह्वान अच्छी तरह से प्राप्त हुआ क्योंकि पिछले सप्ताह को नई तालिम सप्ताह के रूप में मनाया गया था और 2 अक्टूबर को देश के कई स्कूलों और उच्चतर शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय नई तालीम दिवस के रूप में मनाया गया था।

नई तालीम - शिक्षक शिक्षा विभागों के संकाय के लिए प्रयोगात्मक शिक्षण गतिविधियों की एक पुस्तिका हिंदी, कन्नड़, गुजराती, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं मेंएम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा किया गया मूल कार्य है। हमारे प्रायोगिक शिक्षण हस्तक्षेपों का मुख्य उद्देश्य कार्य और शिक्षा के संबंध स्थापित करना है; श्रम की गरिमा की अवधारणा के पहलुओं और उत्पादक कार्यों में भागीदारी का परिचय; नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा पर गांधी के विचारों का परिचय; सामुदायिक जुड़ाव के विभिन्न पहलुओं का परिचय; जुड़ाव के विभिन्न तरीकों को प्रदर्शित करता है यानी, पड़ोस के समुदायों के साथ स्कूल; और नई तालीम की प्रायोगिक शिक्षा के क्षेत्र जुड़ाव घटक का संचालन करने के लिए।

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल "निशंक" के साथ नई तालीम, ग्रामीण समुदाय सगाई और एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्यसूची पर चर्चा

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए उच्चतर शैक्षिक धाराओं में यह शामिल हैं: ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, सामाजिक कार्य और शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कहती है - "सभी चरणों में, अनुभवात्मक शिक्षा को अपनाया जाना चाहिए, जिसमें कला एकीकृत और खेल एकीकृत शिक्षा, कहानी - आधारित शिक्षाशास्त्र, दूसरों के बीच, प्रत्येक विषय के भीतर मानक शिक्षाशास्त्र, विभिन्न विषयों के बीच संबंधों की खोज के साथ शामिल हैं।"

"सभी भाषा सीखने का उद्देश्य कला के माध्यम से अनुभवात्मक और बढ़ाया जाना होगा, जैसे कि संगीत, कविता और रंगमंच।" "ग्रेड 6-8 अनिवार्य प्रायोगिक शिक्षा - ग्रेड 6-8 के दौरान प्रत्येक छात्र साल भर एक मजेदार कोर्स करेगा, जो कि बढ़ईगीरी, बिजली के काम जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक कला के नमूने का एक सर्वेक्षण और हाथों पर अनुभव प्रदान करता है। राज्यों और स्थानीय समुदायों द्वारा तय किए गए धातु के काम, बागवानी, मिट्टी के बर्तनों के निर्माण आदि के रूप में और स्थानीय कुशल आवश्यकताओं द्वारा मैप किए

"विशेष छोटे स्थानीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम बी.आई.टी.ई., डी.आई.ई.टी. या स्वयं स्कूल परिसरों में भी उपलब्ध होंगे, ताकि स्थानीय ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूलों या स्कूल परिसरों में विशेष प्रशिक्षकों' के रूप में पढ़ाने के लिए प्रख्यात स्थानीय व्यक्तियों को काम पर रखा जा सके। और कौशल, जैसे, स्थानीय कला, संगीत, कृषि, व्यवसाय, खेल, बढ़ईगीरी और अन्य व्यावसायिक कला। यह कार्यक्रम केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उपयुक्त रूप से समर्थित होगा। "
"मूल्य-आधारित शिक्षा में मानवीय, नैतिक, मौखिक और सार्वभौमिक सत्य, शांति, अहिंसा, धार्मिक आचरण (धर्म) और प्रेम, नागरिक मूल्यों और भी मानवीय मूल्यों का विकास होना चाहिए। व्यक्तित्व विकास, शिक्षण, शिक्षा और शासन में जीवन कौशल।"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के ग्रामीण समुदाय कार्य और ग्रामीण तल्लीनता कार्यक्रम - उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम.जी.एन.सी.आर.ई. कनेक्ट! विशेष फोकस

- भारत में ग्रामीण विकास और परिवर्तन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझें।
- ग्रामीण संकट में ग्रामीण गरीबी, गतिशीलता और मुद्दों का अध्ययन को समझें।
  भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों, उनके व्याप्ति, परिव्यय, तौर-तरीकों और परिणामों का आकलन करें।
- ग्रामीण अवसंरचना की जरूरतों का अध्ययन करें और उन्हें बजट और कार्यक्रमों के साथ संरेखित करें।
- विभिन्न आजीविका, रोजगार कार्यक्रमों और उनके जनादेश की रूपरेखा तैयार करें।
- कृषि, ग्रामीण आजीविका और उद्योगों और संचार में सूचना, भागीदारी प्रक्रियाओं, मुख्यधारा और वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में नए गाँव प्रौद्योगिकी इंटरफेस को समझें।
- छात्रों को संकट, वित्तीय, सामाजिक, राजनीतिक और प्राकृतिक के संकेतों की पहचान करने और मुकाबला तंत्र खोजने में मदद करें।
- छात्रों को ग्रामीण समाजों में राजनीतिक शासन का आधार बनाने वाली चुनावी और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने में मदद करें।
- प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं, जलवायु परिवर्तनशीलता से उत्पन्न होने वाली आसन्न आपात स्थितियों के लिए ग्रामीण समुदायों की संवेदनशीलता से निपटने के लिए छात्रों को उन्मुख करें और उन्हें पारिस्थितिकी की जिम्मेदारी संभालने के लिए प्रेरित करें।
- ग्राम आपदा प्रबंधन योजना के पहलुओं को शामिल करते हुए ग्राम विकास योजनाओं पर उन्मुख छात्र।
- ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक मूल्य बनाएं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कहा गया है -

"सामुदायिक व्यस्तताओं के लिए एच.ई.आई. - शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, एच.ई.आई. के पास अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ भी होंगी, जिन्हें वे उपयुक्त पुनर्स्थापना और संरचनाओं के माध्यम से निर्वहन करेंगे। इनमें उनके विकास में अन्य एच.ई.आई. का समर्थन करना, सामुदायिक जुड़ाव और सेवा, अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान, उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए संकाय विकास और स्कूली शिक्षा का समर्थन शामिल है।"

"बहु - विषयक और क्रेडिट समुदाय जुड़ाव आधारित पाठ्यक्रम भाषा, साहित्य, संगीत, दर्शन, कला, नृत्य, रंगमंच, शिक्षा, गणित, सांख्यिकी, शुद्ध और अनुप्रयुक्त विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, खेल और अन्य ऐसे विषयों के लिए आवश्यक विभागों के लिए। भारतीय शिक्षा और पर्यावरण को प्रोत्साहित करने वाली एक बहु-विषयक, देश भर में एच.ई.आई. में स्थापित और मजबूत की जाएगी।"

"लचीला और अभिनव पाठ्यक्रम सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्रों में क्रेडिट-आधारित पाठ्यक्रम और परियोजनाओं की पेशकश पर जोर देगा।"

"उच्च शिक्षा में इंटर्नशिप छात्रों को स्थानीय उद्योग, व्यवसायों, कलाकारों, कला व्यक्तियों, गांवों और स्थानीय समुदायों आदि के साथ इंटर्नशिप के अवसरों के साथ-साथ अपने स्वयं के या अन्य एच.ई.आई. या अनुसंधान संस्थानों में संकाय और शोधकर्ताओं के साथ अनुसंधान इंटर्नशिप प्रदान की जाएगी। ताकि छात्रों को सक्रिय रूप से उनके सीखने के व्यावहारिक पक्ष के साथ संलग्न किया जा सके और उप-उत्पाद के रूप में, उनकी रोजगार क्षमता में और सुधार हो सके।"

"प्रत्येक उच्चतर शिक्षण संस्थान में सरकारी और निजी स्कूलों और स्कूल परिसरों का एक नेटवर्क होगा, जहां निकटवर्ती शिक्षक काम करेंगे, जहां संभावित शिक्षक छात्र-शिक्षा देंगे (एच.ई.आई. और स्कूल परिसरों के बीच अन्य सहक्रियात्मक गतिविधियाँ, जैसे सामुदायिक सेवा, वयस्क और व्यावसायिक शिक्षा, आदि)"

"शिक्षण और अनुसंधान के अलावा,एच.ई.आई. के पास अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी होंगी, जिन्हें वे उपयुक्त पुनरुत्पादन और संरचनाओं के माध्यम से निर्वहन करेंगे। इनमें उनके विकास में अन्य एच.ई.आई. का समर्थन करना, सामुदायिक जुड़ाव और सेवा, अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान, उच्चतर शिक्षा प्रणाली के लिए संकाय विकास और स्कूली शिक्षा का समर्थन शामिल है।"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के नई तालीम, ग्रामीण समुदाय जुड़ाव कार्यक्रमों की झलक

"किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) किसानों को उत्पाद के मूल्य संवर्धन में मदद करते हैं, उनकी उपज को बढ़ावा देते हैं और बेचते हैं। एफ.पी.ओ. मानव संसाधनों की तलाश कर रहे हैं जो किसानों की मदद करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने में उनकी मदद कर सकें।"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार ने ग्रामीण प्रबंधन स्नातकों द्वारा ज्ञान और हस्तक्षेप के माध्यम से एफ.पी.ओ. की मदद करने के कार्यक्रम के उद्देश्य पर जोर देते हुए केस चर्चा पद्धति-सामरिक प्रबंधन 20-24 जुलाई को 5 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) के लिए टोन सेट किया। मामले की चर्चाओं और आदानों एफ.डी.पी. के लिए अपार मूल्य जोड़ें। प्रतिभागियों को ग्रामीण पहलुओं के लिए केसलेट लेखन के लिए विचारों के साथ आने के लिए कहा गया था जैसे कि किसानों को इस कोविड-19 स्थिति में अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचने के लिए कैसे शिक्षित करना है; कृषि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कीट हमलों का मुकाबला करना, किसानों को डिजिटल साक्षरता; श्रम कल्याण की समस्याएं; माइग्रेशन के मुद्दे; और किसान उत्पादों के मूल्य निर्धारण से उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों दोनों को लाभ होता है।

केस चर्चा पद्धति समस्या समाधान के माध्यम से प्रशिक्षण के लिए एक आवश्यक अनुभवात्मक शिक्षा की पद्धति है। प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मामले पर चर्चा पद्धति विशेष रूप से सामरिक प्रबंधन एक संगठन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक मजबूत रणनीति किसी भी प्रतिकूल स्थिति के मामले में किसी संगठन के लिए एक बेहतर लचीलापन और मुकाबला तंत्र सुनिश्चित करती है। ऐसी रणनीतियों होने, आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में एक प्रतिस्पर्धी लाभ साबित किया गया है। कोविड-19 के बीच प्रबंधन प्रथाओं में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम इस पर अधिक जोर दे रहे हैं जो पहले बड़े संगठनों तक सीमित था।

इस एफ.डी.पी. के प्रतिभागी (20) देश के लगभग सभी क्षेत्रों से और विभिन्न विषयों से थे। केस चर्चा पद्धति हर बार एक नया अनुभव देती है क्योंकि प्रतिभागी बदलते हैं, दृष्टिकोण भी बदलते हैं और मामलों की विषयवस्तु के प्रति एक नई धारणा होती है। यह एक प्रतियोगिता नहीं है जिसमें सत्र के अंत में केवल एक व्यक्ति जीतता है। यह मामले में दिए गए तथ्यों द्वारा समर्थित उनके अनुभव के आधार पर विशेष विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के बारे में है। हर एक हालांकि उनके अनुभव और सीखने का योगदान देता है। प्रतिभागियों के लिए नई चीजें सीखने के लिए कुछ चीजें सीखना भी बहुत जरूरी है।
प्रतिभागियों ने केस चर्चा पद्धति में अपने अनुभव साझा किए और अपने छात्रों के साथ मामले को चलाने के तरीके पर सुझाव दिए गए कि उन्हें केस राइटिंग मेथडोलॉजी से संबंधित जानकारी कैसे प्रदान की जाए। उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग करने का महत्व जो एच.ई.आई. के आसपास हैं, छात्रों को काम के माहौल में एक्सपोजर प्राप्त करने और उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने के अवसर प्रदान करेंगे। सत्रों में ज्ञान साझा करना शामिल था और प्रतिभागियों ने संदेह को स्पष्ट करने और विचारों को साझा करने के लिए मंच का प्रभावी ढंग से उपयोग किया।

ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रमों में भाग लेना ग्रामीण भारत का समर्थन कर रहा है --- अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने जोर दिया।--- **अनुभवात्मक शिक्षा** का महत्व और कैसे इस कार्यक्रम के डिजाइन केसलेट, उदाहरण के माध्यम से छात्रों के लिए अनुभवात्मक सीखने में सक्षम बनाता है, गतिविधियों और क्षेत्र के काम करने के लिए-अच्छी तरह से चर्चा की गई। इस कार्यप्रणाली से ग्रामीण क्षेत्रों में एन.जी.ओ. और सी.एस.आर. विभागों द्वारा किए गए कार्यों को समझने में मदद मिलेगी। छात्रों को ग्रामीण समस्याओं और उनकी संस्कृति और परंपरा का एक्सपोजर मिलेगा। बहु-विषयक दृष्टिकोण छात्र को न केवल ग्रामीण पहलुओं के बारे में अध्ययन करने में मदद करता है, बल्कि वित्त और विपणन जैसे नियमित प्रबंधकीय पहलुओं को भी बताता है।

वह **पी.आर.ए. उपकरणों** के महत्व और कैसे प्रभावी वे ग्रामीण समुदायों को समझने के लिए कर रहे है समझाया गया था। किसी भी ग्रामीण उद्यमी या किसी अन्य व्यक्ति के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है जो ग्रामीण समुदायों के साथ उनकी आवश्यकताओं, संस्कृति, परंपरा, आजीविका, समाज और राष्ट्र में योगदान, योगदान के बारे में उनकी धारणा, स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन सुविधाएं आदि और पी.आर.ए. उपकरणों को समझने के लिए जुड़ा होना चाहता है। **ग्रामीण उद्यमिता** और चुनौतियों जैसे वित्त की कमी, बुनियादी ढांचे की कमी, जोखिम लेने में असमर्थता, तकनीकी जानकारी की कमी, बिचौलियों द्वारा शोषण, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता की कमी, उद्यमशीलता कौशल में प्रशिक्षण की कमी और अप्रयुक्त क्षमता - प्रभावी ढंग से थे केस मैथडोलॉजी के माध्यम से चर्चा की।

"समकालीन मुद्दों पर ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन" सत्र में ग्रामीण भारत से संबंधित प्राथमिक चुनौतियों और मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य सेवा की कमी, पानी की आपूर्ति की कमी, स्वच्छता और ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित ग्रामीण प्रबंधन में बी.बी.ए. कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को समझाया गया। छात्रों को अपनी आजीविका कमाने के साथ-साथ दूसरों को रोजगार भी देने की जरूरत है। केस चर्चा पद्धति छात्रों को अवधारणाओं को समझने में मदद करती है और साथ ही उन्हें ग्रामीण समस्याओं के सामने उजागर करती है और उन्हें ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए कुछ नया समाधान लेकर आने के लिए प्रोत्साहित करती है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने आश्वासन दिया कि बी.बी.ए. आर.एम. प्रोग्राम के छात्रों को इंटर्न के रूप में लिया जाएगा और उन्हें अन्य संगठनों में भी इंटर्न के रूप में शामिल होने की सुविधा मिलेगी।

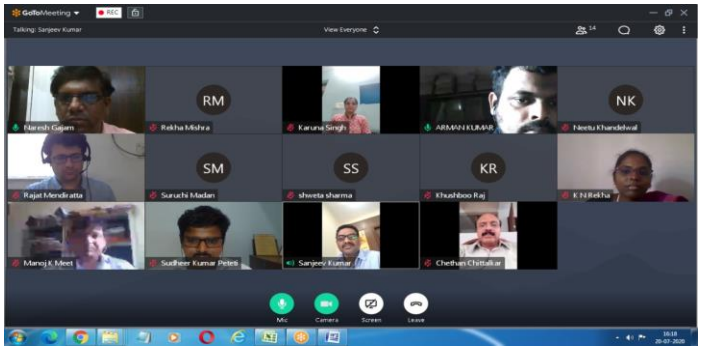

बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन - कार्यशालाएं

भारत के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में बी.बी.ए.-रूरल मैनेजमेंट प्रोग्राम को लागू करने के लिए केस-आधारित कार्यप्रणाली वाली कार्यशालाएं प्रो. चेतन चित्तलकर, निदेशक ग्रामीण प्रबंधन एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित की जा रही हैं। ग्रामीण किसान समुदायों / संगठनों / कंपनियों (एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.) को मजबूत करने की प्रक्रिया गति पकड़ रही है। देश में युवा ग्रामीण प्रबंधन स्नातकों के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की मदद करने के लिए एक उत्पादक तरीके से उनकी गतिविधियों की आवश्यकता की पहचान की गई है। प्रौद्योगिकी उन्नयन, सरकारी योजनाओं और लाभों का लाभ उठाने, एफ.पी.ओ. की संरचना करने, प्रबंधकीय कौशल विकसित करने, क्षमताओं का निर्माण करने और ग्रामीण व्यवसायों में व्यावसायिकरण लाने की आवश्यकता है। यह देश के सभी हिस्सों में ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा का प्रसार और मिलने के लिए पाठ्यक्रम विकसित करके प्राप्त किया जा सकता है ग्रामीण व्यवसायों और उद्यमियों की आवश्यकताएं।

क्र.सं.	एच.ई.आई.	दिनांक
1	उका तरसिया विश्वविद्यालय	9 जुलाई
2	श्री कृष्णा विश्वविद्यालय	10 जुलाई
3	शूलिनी विश्वविद्यालय एच.पी.	11 जुलाई
4	श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़	13 जुलाई
5	कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कराड महाराष्ट्र	14 जुलाई
6	श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर मध्यप्रदेश	15 जुलाई
7	भगवंत विश्वविद्यालय अजमेर राजस्थान	16 जुलाई
8	हरनहल्ली रामास्वामी उच्च शिक्षा संस्थान हासन कर्नाटक	17 जुलाई
9	श्रीमती सिंधुताई जाधो कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, महकार	17 जुलाई
10	श्री जी.सी.एस.आर. कॉलेज ऑफ एडुयुकेशन आंध्र प्रदेश	18 जुलाई
11	गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय	22 जुलाई

एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. / प्रमोटर - परामर्श आयोजित

क्र. सं.	एफ.पी.ओ./ एफ.पी.सी. / प्रमोटर	स्थान	दिनांक
1	राजेश्वर किसान उत्पादक कंपनी	अहमदाबाद	16 जुलाई
2	हर्ष ट्रस्ट, 11 एफ.पी.ओ.के प्रोमोटर	ओड़िशा	16 जुलाई
3	कृषिधन उत्पादक कंपनी लिमिटेड	अहमदाबाद	17 जुलाई
4	प्रसन्ना एफ.पी.सी., संगठन -शार्प	तेलंगाना	17 जुलाई
5	प्रगति युवा केंद्र, के.पी.एल.एम.एस.टी.एस.	नेल्लोर, ए.पी.	18 जुलाई
6	गिरिमाला एफ.पी.सी.	गुजरात	21 जुलाई
7	मारी,प्रोमोटर के 14 एफ.पी.ओ.	तेलंगाना	23 जुलाई

सामुदायिक जुड़ाव के सीखने के तरीकों का लाभ बाद में कई गुना हो जाता है क्योंकि उनके छात्र भागीदारी अभ्यास सीखते हैं, जीवन कौशल सीखते हैं, और क्षेत्र की बातचीत से लाभ उठाते हैं। रूरल एंगेजमेंट एक सहभागी दृष्टिकोण है जो खुले अंत क्षेत्र की पूछताछ पर आधारित है और कार्रवाई उन्मुख है। यह व्यावहारिक और अनुभवात्मक है और ग्रामीण वास्तविकताओं की खोज और सीखने में मदद करता है। ये स्नातक ग्रामीण विषयों पर परियोजना रिपोर्ट और केस अध्ययन तैयार कर सकते हैं और ग्रामीण समुदायों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के साथ आ सकते हैं। अब एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने चुनिंदा एच.इ.आई. / विश्वविद्यालयों में बी.बी.ए. रूरल मैनेजमेंट प्रोग्राम शुरू करने की सुविधा प्रदान की है और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स और वर्कशॉप्स के माध्यम से रूरल मैनेजमेंट प्रोग्राम में कोर्सेज को ट्रांसफर करने के लिए इन संस्थानों के फैकल्टी को ट्रेनिंग देना शुरू किया है। अगला कदम एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी., ग्रामीण सहकारी समितियों के साथ जुड़ रहा है, उनकी जरूरतों को समझ रहा है और इन संस्थानों के माध्यम से उन्हें समर्थन दे रहा है। एम.जी.एन.सी.आर.ई., संस्थान और उस क्षेत्र में एफ.पी.ओ. के साथ एक त्रि-पक्षीय समझौते को एफ.पी.ओ. को पेशेवर मदद देने के लिए रखा गया है और बदले में छात्रों को एफ.पी.ओ. के साथ काम करने दर्शाने वाले पर्याप्त और उन्हें समझने और उन्हें स्वयं बनने में मदद करने के लिए व्यावहारिक प्रदर्शन मिलेगा।

अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कहा, *"हम एक प्रभाव-उन्मुख परिवर्तन में विश्वास करते हैं। इसलिए, महत्व के इन संस्थानों द्वारा पोषित सकारात्मक और प्रगतिशील ग्रामीण जुड़ाव को बढ़ाने के लिए ग्रामीण भारत की विभिन्न धारणाओं को सहयोग और समझने की आवश्यकता है। ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों / एच.ई.आई. का योगदान महत्वपूर्ण है। बाधाओं से ऊपर उठने और समावेशी विकास के लिए ग्रामीण संसाधनों का एक प्रभावी प्रबंधन बनाने की तत्काल आवश्यकता है।"*

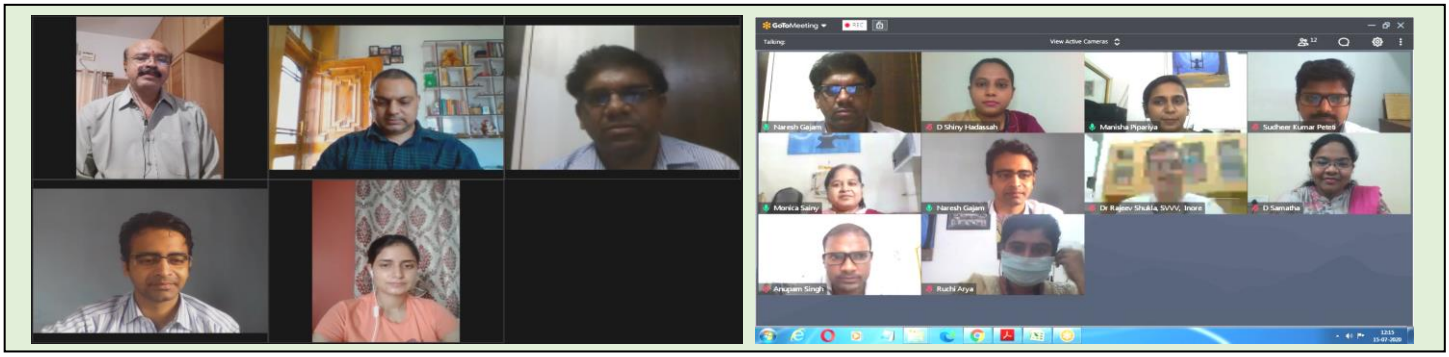

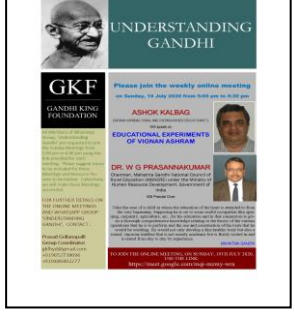

एम.जी.एन.सी.आर.ई. की टीम गांधीवादी किंग फाउंडेशन (जी.के.एफ.) के तत्वावधान में कोविड-19 की, इन कठिन परिस्थितियों में गांधीजी की नई तालीम और गांधीवादी विचारधाराओं पर साप्ताहिक ऑनलाइन बैठकों और चर्चाओं में विवेकपूर्ण ढंग से भाग ले रही है। जी.के.एफ. पहल गांधीजी और नागरिक अधिकारों के नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर के काम और विरासतों का अध्ययन करने के लिए भारत और यू.एस.ए. के बीच एक विनिमय कार्यक्रम है। कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने वर्तमान महामारी की स्थिति पर विशेषज्ञ और व्यावहारिक विचार दिए और भय का मुकाबला करने और चुनौतियों के लिए बढ़ने के गांधीवादी सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की जिन्होंने उदाहरण दिया कि उनके संस्थान क्या कर रहे हैं और सभी शिक्षण संस्थानों में गांधीजी की नई तालिम को कैसे लागू किया जा सकता है। बैठक में भाग ले रहे अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने यह कहते हुए सही कहा - गांधी तत्वज्ञान नहीं है - बल्कि जीवन का एक तरीका है!

नई तालीम कार्यशालाएं जुलाई 2020

क्र. सं.	राज्य	जिलेवार कार्यशालाएं	प्रतिभागियाँ
1.	उत्तर प्रदेश	श्रावस्ती	37
2.	उत्तर प्रदेश	बस्ती	42
3.	उत्तर प्रदेश	अयोध्या	44
4.	उत्तर प्रदेश	कन्नौज।	38
5.	उत्तर प्रदेश	बाराबंकी	33
6.	उत्तर प्रदेश	आगरा	57
7.	उत्तर प्रदेश	शाहजहाँपुर	25
8.	उत्तर प्रदेश	चित्रकूट।	27
9.	उत्तर प्रदेश	ललितपुर	32
10.	उत्तर प्रदेश	सहारनपुर	35
11.	हरियाणा	अंबाला	23
12.	हरियाणा	भिवानी	21
13.	हरियाणा	फरीदाबाद	25
14.	हरियाणा	गुड़गांव	26
15.	हरियाणा	हिसार	27
16.	हरियाणा	जीन्द	24
17.	हरियाणा	करनाल	26
18.	हरियाणा	कैथल	28
19.	हरियाणा	कुरुक्षेत्र	27
20.	हरियाणा	महेंद्रगढ़	22
21.	हरियाणा	पंचकूला (गेट्टी मोरनी हिल्स)	33
22.	हरियाणा	पानीपत	26
23.	हरियाणा	रेवाड़ी	27
24.	हरियाणा	रोहतक	24
25.	हरियाणा	सिरसा	26
26.	ओडिशा	बालासोर	80
27.	बिहार	बोधगया / औरंगाबाद	80
28.	बिहार	औरंगाबाद	46
29.	बिहार	औरंगाबाद	46
		कुल	1007

नई तालीम कार्यशालाओं के झलक

डॉ. देबेंद्रनाथ दास सहायक निदेशक एम.जी.एन.सी.आर.ई., ने बिहार और ओडिशा में नई तालीम कार्यशालाओं का संचालन करने का बीड़ा उठाया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पी.जी. डिपार्टमेंट ऑफ एड्युकेशन, फकीर मोहन यूनिवर्सिटी (एफ.एम.यू.), बालासोर, ओडिशा के सहयोग से नई तालीम और एक्सपेरिमेंटल लर्निंग पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला के दो बैचों का आयोजन किया। एफ.एम.यू. की कुलपति प्रो. मधुमिता दास ने अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. की ऑनलाइन उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा भगवान प्रसाद शोनथ प्रसाद (बी.पी.एस.पी.) बी.एड. कॉलेज, दाउदनगर, औरंगाबाद, बिहार में प्रो. राजेंद्र प्रसाद, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति के रूप में नई तालीम प्रायोगिक शिक्षण पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। नई तालीम के सार को खूब सराहा गया।

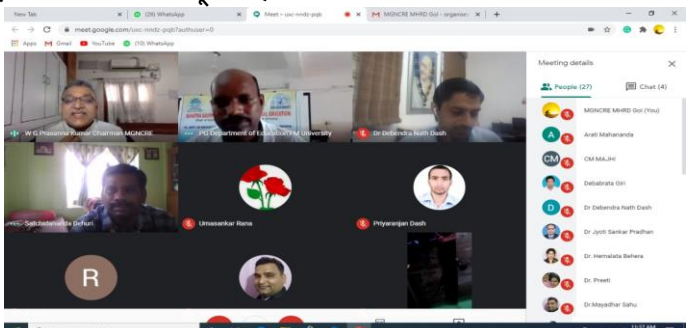

स्वच्छता कार्य योजना कार्यशाला

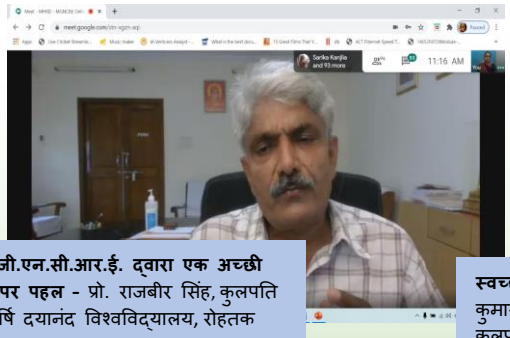

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा एक अच्छी समय पर पहल - प्रो. राजबीर सिंह, कुलपति महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

स्वच्छता अब सभी को महत्व देती है - प्रोफेसर एन. कुमार, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर के कुलपति

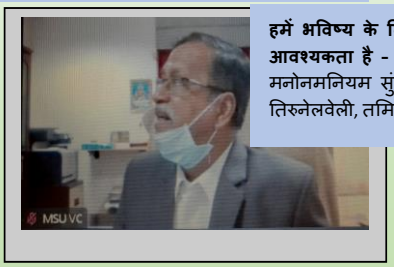

हमें भविष्य के लिए प्रदान करने की आवश्यकता है - डॉ. के पिचुमनी, कुलपति मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय तिरुनेलवेली, तमिलनाडु

यह एक स्वच्छ और हरित भारत के लिए है - डॉ. गुरमीत सिंह, कुलपति, पांडिचेरी विश्वविद्यालय

माननीय कुलपतियों की उपस्थिति में!

एम.जी.एन.सी.आर.ई. स्वच्छ कार्य योजना के भाग के रूप में, टीम ने सभी राज्यों के विश्वविद्यालयों के संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों / प्रमुखों के साथ सफलतापूर्वक ऑनलाइन स्वच्छता कार्यशालाएं आयोजित की हैं। एच.ई.आई. को निर्देश दिया गया है कि वे अपने परिसरों में स्वच्छ कार्य योजना बनाने के लिए स्वच्छ समितियों का गठन करें। यह खुशी की बात है कि प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक रही है।

स्वच्छता कार्य योजना कार्यशालाएं - जुलाई 2020

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	प्रतिभागियाँ
1	तमिलनाडु	11	894
2	कर्नाटक	10	361
3	गुजरात	11	280
4	झारखंड	11	258
5	महाराष्ट्र	3	235
6	राजस्थान	9	225
7	मध्य प्रदेश	9	223
8	उत्तराखंड	10	223
9	हरियाणा	3	196
10	पांडिचेरी	1	150
11	छत्तीसगढ़	2	137
12	आंध्र प्रदेश	3	105
13	तेलंगाना	3	95
14	केरल	5	84
15	पंजाब	7	80
16	पश्चिम बंगाल	4	55
17	ओड़िशा	6	38
18	असम	3	37
19	अरुणाचल प्रदेश	1	25
20	त्रिपुरा	1	21
21	मिजोरम	1	15
22	मणिपुर	1	11
23	मेघालय	1	8
24	सिक्किम	1	8
25	जम्मू-कश्मीर	1	6
26	नागालैंड	1	5
	कुल	119	3775

"हमें खुशी है कि स्वच्छता पहल सही समय पर आई है!" डॉ. रमन कुमार झा, एमिटी विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड के कुलपति

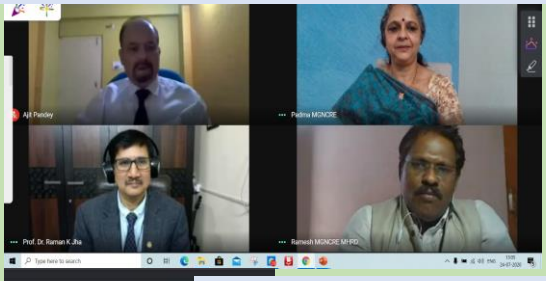

स्थानीय संसाधनों के माध्यम से स्वच्छता का प्रचार करें - संस्कृति का लाभकारी उपयोग करें- डॉ. दीपक कुमार कर, सिद्धो-कान्हो-बिर्शा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के कुलपति

"यह आगे का रास्ता है" कहा प्रो. एन. पंचनाथम, तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय (टी.एन.टी.ई.यू.), चेन्नई के कुलपति

"हम स्वच्छ और ऊर्जा संरक्षण की चुनौतियों का सामना करेंगे" - प्रो. साकेत कुशवाहा, राजीव गांधी विश्वविद्यालय (आर.जी.यू.), अरुणाचल प्रदेश के कुलपति

"तकनीकी हस्तक्षेप आवश्यक हैं" - प्रो. सैकत मैत्र, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के कुलपति

"भावी पीढ़ी को हमारे प्रयासों से लाभ उठाना चाहिए" प्रो. नीलिमा सिंह ने कहा, कोटा विश्वविद्यालय, राजस्थान के कुलपति

कर्नाटक में प्रगति में ऑनलाइन कार्यशालाएं

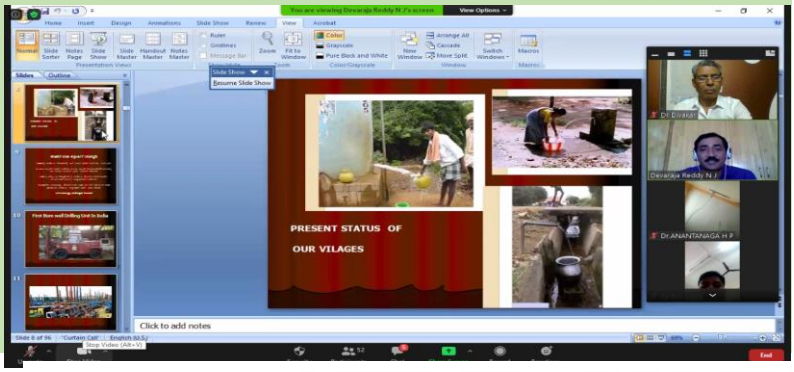

प्रो. रंजन चक्रवर्ती, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के कुलपति - "हम पर्यावरण के अनकल परिसरों के लिए हैं"

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद-500 004, तेलंगाना.
दूरभाष : 040-23422112, 23212120, फैक्स : 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी
श्री पी.सरदार सिंह, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित